को वचनबद्धताओं को ध्यान में रखते हुए, राजस्थान के क्षेत्रों को अधिशेष जल देना संभव प्रतीत नहीं होता ।

राजस्थान ने गंगा के अधिशेष बाढ़ जल को राजस्थान के क्षेत्रों को अंतरित करने के लिए गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग को एक प्रस्ताव भी भेजा था । राजस्थान द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रस्ताव का केन्द्रीय जल आयोग द्वारा अध्ययन किया गया तथा यह देखा गया कि गंगा के अधिशेष बाढ़ जल का अन्तरण राजस्थान को करना आर्थिक रूप से व्यवहार्य नहीं होगा ।

तथापि, राष्ट्रीय जल संसाधन विकास के राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के अंतर्गत राष्ट्रीय जल विकास अभिकरण ने हिमालयी नदी विकास घटक का मोटे तौर पर अध्ययन शुरू किया है, जिसमें, अन्य बातों के साथ साथ, गंगा नदी तथा इसकी पूर्वी सहायक नदियों से मानसून के अधिशेष जल का दिक्परिवर्तन राजस्थान के जल की कमी वाले क्षेत्रों में करने की भी परिकल्पना की गयी है । इस रिपोर्ट के आठवीं योजना के अंत तक प्राप्त होने की आशा है ।

(ग) विद्यमान करारों के अनुसार राजस्थान अंतर्राज्यीय नदियों से अपना हिस्सा पहले से ही प्राप्त कर रहा है ।

(घ) आठवीं योजना दस्तावेजों में किए गए प्रेक्षपणों के अनुसार 2001 ईसवी तक समग्र देश के लिए खाद्यान्न की कुल आवश्यकता लगभग 245 मिलियन टन होगी तथा तिलहन की आवश्यकता 29 मिलियन टन होगी । समग्र देश की पूरी आवश्यकता को पूरा करना किसी एक राज्य के लिए संभव नहीं है ।

Reoharging of ground water resources

3494. SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government have approved four projects for recharging of ground water resources in certain areas where the water level has substantially declined; and

(b) if so, what are the details of the projects and the location *of* areas where they are likely to be set up?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI V. C. SHUKLA): (a) and (b) In February, 1992 the Government has approved a scheme, costing Rs. 36.7 lakhs prepared by the Central Ground Water Board for the artificial recharge of gound water in;

(i) Gauribidanur and Mulbagal Taluks in Kolar district, Karnataka.

(ii) Orange and banana growing areas in Amravati and Jalgaon district, Maharashtra.

(iii) Union Territory of Delhi.

(iv) Union Territory of Chandigarh.

Centarl assistance for irrigation projects of Bihar

3495. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of WATER RE-COURCES be pleased to state:

(a) whether Government have prepared any action plan for providing Central assistance to the on going minor irrigation projects in Bihar;

(b) if so, the details thereof;

(c) whether Government have sought the assistance from World Bank in this regard;

(d) if so, the details thereof; and

(e) what co-operation Government is receiving from Government of Bihar in completing the minor irrigation projects there?

THE MINISTER OF WATER RESOURCES (SHRI V. C. SHUKLA): (a), (b) and (e) No, Sir, Minor Irrigation projects are formulated, exe-